(12) Statement No. IV—Hundred and Fifty-fifth Session, 1990.

(13) Statement No. III—Hundred and Fifty-sixth Session, 1990.

(14) Statement No. II—Hundred and Fifty-seventh Session, 1991.

[Placed in Library. *See* LT No.-49/91].

I. Report and Accounts (1989-90) of the Mahanagar Telephone Nigam Limited, New Delhi and related papers.

II. Report and Accounts (1989-90) of the Videsh Sanchar Nigam Limited, Bombay, and related papers.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): Madam, I lay on the Table—

I. A copy each (in English and Hindi) of the following papers, under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956:—

(i) (a) Annual Report and Accounts of the Mahanagar Telephone Nigam Limited, New Delhi, for the year 1989-90, together with the Auditors' Report on the Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General of India thereon.

(b) Review by Government on the working of the Nigam.

[Placed in Library. *See* LT No.-74/91].

(ii) (a) Fourth Annual Report and Accounts of the Videsh Sanchar Nigam Limited, Bombay, for the year 1989-90, together with the Auditors' Report on the Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General of India thereon.

(b) Review by Government on the working of the Nigam.

II. Statements (in English and Hindi) giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (i) above.

[Placed in Library. *See* No. LT-75/91]

Report of the Committee on papers laid on the Table—presented.

Presentation of the report of the Committee on papers Laid on the Table.

SHRI RAJNI RANJAN SAHU (Bihar): I lay the Thirty-ninth and Fortieth Reports (in English and Hindi) of the Committee on Papers Laid on the Table.

THE DEPUTY CHAIRMAN: There are no Special Mentions. Now, Motion of Thanks on the President's Address. (*Interruptions*)

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): In West Bengal, there is violence... (*Interruptions*) Innocent Congressmen are killed. The police are totally ineffective. I want the Home Minister to investigate ... (*Interruptions*)

डा० अबरार अहमद (राजस्थान): मैडम, राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और वहां के अधिकारियों को मंत्रियों द्वारा पीटा जा रहा है। ये भारतीय जनता पार्टी सरकार के मंत्री आई०ए०एस० अधिकारियों को पीट-पीट कर अपनी बात मनवाना चाहते हैं।... **(व्यवधान)**

SHRI V. NARAYANASAMY: Innocent Congressmen are killed. I wants the Home Minister to investigate. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seats.

डा० अबरार अहमद: अभी दो दिन पहले वहां भारतीय जनता पार्टी के मंत्री ने आई०ए०एस० अधिकारी को बहुत पीटा। इस तरह वह अपनी मोनोपोली चलाना चाहते हैं।

डा० रत्नाकर पाण्डेय: मैडम, आप जब आदेश देंगी, तब बोलूंगा।

SHRI V. NARAYANASAMY: It is a serious matter. The Home Minister should investigate into the matter. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Narayanasamyji please take your seat. (*Interruptions*) I cannot hear anything. If all of you speak together, I cannot hear anything, neither my Reporters can hear anything. Please sit down. We have got Mrs. Jayanthi Natarajan to speak on the motion of Thanks. Mrs. Jayanthi Natarajan. (*Interruptions*)

SHRI V. NARAYANASAMY: I want the Home Minister to make a thorough investigation into the matter of killings of Congressmen. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: What investigation? I cannot understand even a word. Please take your seat.

SHRI V. NARAYANASAMY: Violence in West Bengal by the CPM people ... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat.

SHRI V. NARAYANASAMY: The police is ineffective. They are not taking any action. I want the Home Minister to intervene. The Government of India should investigate into the matter, and the persons involved should be booked. I want to bring it to the notice of the Home Minister. (*Interruptions*)

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश): मैडम, मेरी जान को खतरा है ।

उपसभापति : आपकी जान की हम हिफाजत करेंगे, आप बैठिए ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : आपके रहते मेरी जान को खतरा है ?

उपसभापति : आपकी जान को कोई खतरा नहीं होगा, आप तशरीफ रखिए ।

श्री सैयद सिब्ते रजी (उत्तर प्रदेश) : मैडम, अभी दो दिन पहले अखबारों में आया था कि श्री राजीव गांधी भूतपूर्व प्रधान मंत्री, भारत सरकार की हत्या के सिलसिले में लिट्टे ने अपनी जिम्मेदारी स्वीकार की है। उसके बाद एक सिलसिला शुरू हो गया है और अखबारों में तरह-तरह की खबरें आ रही हैं । आज के "टाइम्स आफ इण्डिया" में लिखा है कि

"Plot against leaders comes to light."

22 सितम्बर, 1990 को मद्रास में... **(व्यवधान)**...

डा० अबरार अहमद : महोदया, एक बात मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि... **(व्यवधान)**...

उपसभापति : क्या ? एक आदमी बोल रहा है, जरा बैठो तो ।

श्री सैयद सिब्ते रजी : जब एन०आई०सी० की मीटिंग हो रही थी... **(व्यवधान)**...

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, मैं अनुशासित खड़ा हूं । मेरी जान को खतरा है ।

उपसभापति : आपकी जान की बात को मैं बाद में सुनूंगी, जरा बैठिए तो । बिल्कुल अनुशासित रहिए ।

श्री सैयद सिब्ते रजी : मद्रास में 22 सितम्बर को जब एन०आई०सी० की मीटिंग हो रही थी और उसमें पूरे राष्ट्र के नेता आए हुए थे—श्री राजीव गांधी भी उसमें थे, श्री वी० पी० सिंह साहब भी थे, श्री ज्योति बसु भी थे और राष्ट्र के कई नेता थे उस वक्त "लिट्टे" के कुछ आतंकवादियों ने, जैसा कि रिपोर्ट में लिखा है कि उस पूरी बिल्डिंग को उड़ा देने के लिए एक टाइम बम फिट कर दिया था । खुदा का शुक्र है कि वह टाइम बम डिस्क्लोज हो गया । मैं कहना चाहता हूं कि राजीव गांधी जी की हत्या हो चुकी है, अंतरराष्ट्रीय मीडिया के ऊपर इम्प्लिस्टिक ताकतें बैठी हुई हैं । यह रोज-रोज तरह-तरह की खबरें निकलकर आ रही हैं जिससे पता चलता है कि राजीव गांधी के मुख्य हत्यारों को पकड़े जाने के सिलसिले में डाइवरशन पैदा किया जा रहा है और इसमें अंतरराष्ट्रीय शक्तियां जो इन्वाल्व हैं, वे इस तरह की खबरें निकालकर राजीव गांधी की जो हत्या हुई है और देश का जो महान नुकसान हुआ है... **(व्यवधान)**...

उपसभापति : सिब्ते रजी साहब, आप बैठ जाइए ; I have to start the Motion of Thanks on the President's Address.

श्री सैयद सिब्ते रजी : हमारी जो इंटेलिजेंस एजेंसिज काम कर रही हैं उनका ध्यान हटाने के सिलसिले में हैं । मैं माननीय गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि

आज के "टाइम्स आफ इण्डिया" में जो खबर निकली है, जिसमें हमारे राष्ट्र के बहुत सारे नेताओं को मार डालने को और बिल्डिंग को उड़ा देने की कोशिश की गई थी, उसमें कहां तक सत्यता है? यह बहुत महत्वपूर्ण ईश्यू है।

उपसभापति : उसमें रत्नाकर जी का नाम तो नहीं है? आपको जान को क्या खतरा है?

डा० रत्नाकर पाण्डेय : उपसभापति महोदया, उत्तर प्रदेश में जब से बी०जे०पी० की सरकार आई है... **(व्यवधान)**...

श्री सैयद सिब्ते रज़ी : राजीव गांधी की हत्या हो चुकी है और उनकी हत्या कहीं साधारण हत्याओं में तबदील न हो जाए और जो एजेंसिज काम कर रही हैं, उनका ध्यान न भटक जाए उन कल्परिट्स को पकड़ने में, जो हमें अस्थिर करना चाहते हैं, अविकसित करना चाहते हैं। माननीय गृह मंत्री जी बताने का प्रयास करें कि इस न्यूज के अंदर कहां तक सत्यता है? क्या 22 सितम्बर को वाकय कोई ऐसा टाइम बम वहां मद्रास की बिल्डिंग में फिट किया गया था और जिसको डिस्क्लोज किया गया था। गृह मंत्री जी बताएं कि इसमें कहां तक सत्यता है? क्या हमारे सारे लीडरों को मार डालने का कार्यक्रम कुछ अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने बना लिया है? क्या हमारे देश को वह बिल्कुल अस्थिर कर देना चाहते हैं या यह झूठी खबरें हैं जो इस तरह से छापी जा रही हैं जिससे कि राजीव गांधी की हत्या का महत्व कम हो जाए और हमारा डाइवरशन हो जाए?

उपसभापति : प्लीज, बैठ जाइए।

श्री सैयद सिब्ते रज़ी : मैं चाहता हूं कि इसकी सत्यता के बारे में गृह मंत्री जी बताने का कष्ट करें कि यह कहां तक सत्य है 22 सितम्बर को एक टाइम बम फिट कर दिया गया था मद्रास के अंदर!

उपसभापति : अब आप रिपीट न करिए, बैठ जाइए, आपकी बात हो गई है।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मेरी जान को खतरा है मैडम और...

उपसभापति : अभी आप भी बैठ जाइए।

डा. रत्नाकर पाण्डेय : मेरी जान को खतरा है मैडम और मैं ज्यादा टाइम नहीं लूंगा।

उपसभापति : क्या खतरा है! गृह मंत्री और स्टेट मिनिस्टर आफ होम दोनों यहां पर बैठे हैं, आप कोई खतरा नहीं है।

डा. रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, जब से उत्तर प्रदेश में बी०जे०पी० का शासन हुआ है तब से, पहले की सरकार ने कांग्रेस की सरकार ने सारे सांसदों को गैडो सिक्युरिटी के लिए दिया हुआ था; परन्तु जब से बी०जे०पी० की सरकार वहां आई है, हमारी सिक्युरिटी को हटाया जा रहा है और यह कहा जा रहा है कि क्योंकि ड्यूटी बदली जाएगी और हम लोगों को बराबर थ्रेटनिंग मिल रही है चारों तरफ से। ऐसी स्थिति में हमारी सिक्युरिटी रेस्टोर की जाए और गृह मंत्रालय उत्तर प्रदेश सरकार को आदेश दे कि...

उपसभापति : पाण्डेय जी, आप बैठ जाइए। यह स्टेट का मैटर है, यहां मत उठाइए। आप बैठ जाइए।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : वह बदले की भावना से कोई काम न करे और सांसदों को जो सिक्युरिटी दी गई है, आप वह उन्हें अवश्य दें, वह उन्हें मिलनी चाहिए।

उपसभापति : पाण्डेय जी, स्टेट का मैटर यहां मत उठाइए। देखिए, जो स्टेट के मैटर होते हैं, वह जहां का सवाल हो, वहां उठाना चाहिए। पार्लियामेंट का सवाल पार्लियामेंट में उठाइए। आप इतने पुराने सांसद हैं, आपको पता है। अब बैठ जाइए I have to ask Jayanthi Natarajan... (*Interruptions*)

अब कृपया आगे नहीं कुछ बोलना मिसेज जयन्ती नटराजन।

डा. रत्नाकर पाण्डेय ...**(व्यवधान)** उत्तर प्रदेश की सरकार अगर जानबूझकर नहीं करती है ...**(व्यवधान)**

उपसभापति : बैठ जाइये ..**(व्यवधान)**

श्री भंवर लाल पंवार (राजस्थान) : दो दिन से इतना गलत व्यवहार किया

जा रहा है कि पार्लियामेंट के मेंबर का टेलीफोन ठीक नहीं हो पा रहा है । दूसरे की बात सुनने में ...(व्यवधान)

डा. रत्नाकर पाण्डेय : : मैडम, सेंट्रल सिक्योरिटी दिलवा दीजिए ।

उपसभापति : बीच में मत बोलिए ।

श्री मंधर लाल पंवार : महोदया, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि पार्लियामेंट के मेंबर के टेलीफोन संसद सत्र के दौरान बिल्कुल सुचारू रुप से चालू रखें ।

उपसभापति : आपका ...टेलीफोन जल्दी ठीक हो जाएगा । उसके लिए डायरेक्शन दे देती हूं । बस आप बैठ जाइये । अभी जयंती नटराजन को बोलना है । मि० नायडू, एम० पीज के टेलीफोन खराब हैं, जरा आप पर्सनल ध्यान दीजिए ।

डा. अबरार अहमद : मैडम, मैं एक महत्वपूर्ण बात सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं ...(व्यवधान)

उपसभापति : यहां महत्वपूर्ण कोई बात नहीं है प्रेजीडेंट के मोशन आफ थैंक्स के ।

डा. अबरार अहमद : : मैडम, प्लीज एक मिनट के लिए एलाऊ किया जाए । महोदया, आपके माध्यम से ..(व्यवधान)

श्री राम अवधेश सिंह: (बिहार) : उपसभापति महोदया, संयोग से इस समय प्रधान मंत्री जी यहां मौजूद हैं । मैं उनकी मौजूदगी में कहना चाहता हूं कि बिहार की उपेक्षा जितनी इस पंचवर्षीय योजना में हुई उतना उपेक्षा किसी राज्य की नहीं हुई है । महोदया, वह प्रोजेक्ट पिछले 12 साल से ...(व्यवधान)

उपसभापति : राम अवधेश जी, आप बैठ जाइए, मैंने आपको कोई परमिशन नहीं दी है । आप बैठिए । श्रीमती जयन्ती नटराजन ।

श्री राम अवधेश सिंह : महोदया, एक नयी बात है । एक मिनट सुन लीजिए ।

उपसभापति : नहीं सुनूंगी ।

श्री राम अवधेश सिंह : : एक मिनट में बात पूरी कर दूंगा ...(व्यवधान)

उपसभापति : आप बाहर ले जाकर सुन लीजिए ।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं यह कहना चाहता हूं कि पिछले दिनों मैंने इस बात को उठाया था कि जलाशय परियोजना अगर मंजूर हो गयी ...(व्यवधान)

उपसभापति : राम अवधेश जी, आप सुनिए । एक मिनट चुप रहिये । आप प्रेजीडेंट के मोशन आफ थैंक्स पर बोल दीजिएगा, अभी नहीं ...(व्यवधान) चुप रहिए आप लोग, बिल्कुल डिस्टर्ब मत कीजिए । जयन्ती नटराजन ।

डा. अबरार अहमद : : मैडम, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण बात की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं ...(व्यवधान)

उपसभापति : प्लीज सिट डाउन ।

डा. अबरार अहमद : मैडम, देखिए पूरे अनुशासित तरीके से मैं आपकी अनुमति मांग रहा हूं और मैं बराबर 12 बजे से रिक्वेस्ट कर रहा हूं ।

उपसभापति : कोई अनुशासित नहीं है । बगैर इजाजत बोलना कोई अनुशासन में नहीं है, बैठिए...(व्यवधान) पाण्डेय जी, इस तरफ के काम नहीं करिए, हाउस को चलने दीजिए बराबर । आप दूसरे के लिए इस तरह से डिस्टर्ब न करें ...(व्यवधान)

डा. अबरार अहमद : : मैडम, हम लोगों के लिए जान का खतरा है । किसी भी ला एंड आर्डर को बनाए रखने के लिए ब्यूरोक्रेसी की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है । अगर कोई राजनेता या कोई मंत्री

]डा० अगयर अहमद]

बेईमानी करना चाहता या कानून को बिगाड़ना चाहता है तो अगर वहां जनता को कोई बचा सकता है तो ब्यूरोक्रेसी ही बचा सकती है। लेकिन शायद यह मंत्री ब्यूरोक्रेसी के अधिकारियों को, आई० ए० एस० अधिकारियों को फिजिकली मारे-पीटे, अपनी गलत बात मनवाने के लिए बाध्य करे तो वहां कैसे न्याय की उम्मीद की जा सकती है। राजस्थान के अंदर भारतीय जनता पार्टी के एक मंत्री ने आई० ए०एस० अधिकारी को फिजिकली मारा और मारने के बाद अपनी गलत बात मनवाने का प्रयास किया। अगर आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने राजस्थान में इस प्रकार से अपनी बात मनवाने का तरीका निकाला था लोगों पर जोर-जुल्म करवाने के लिए सरकार ने पुलिस को, आई०ए०एस० अधिकारी को बाध्य करने का तरीका निकाला तो कैसे हम जिंदा रह सकेंगे, कैसे वहां की जनता जिंदा रह सकेगी ? ...(**व्यवधान**) वहां 18 आदमी मारे जा चुके हैं और आज राजस्थान में आई०ए०एस० अधिकारियों को मंत्री मारें और उस मंत्री को आज तक बर्खास्त नहीं किया, कोई कार्यवाही नहीं की गई है। मैं आपके माध्यम से दरख्वास्त करता हूं कि उस सरकार को बर्खास्त किया जाए, उस मंत्री को बर्खास्त किया जाये ...(**व्यवधान**)

महोदया, इसके बारे में प्रधानमंत्री जी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करें...(**व्यवधान**) यह ऐसा मामला है जिसमें एक आई० ए०एस० अधिकारी को मारा-पीटा गया है अपनी बात मनवाने के लिए...(**व्यवधान**)

SHRI VIREN J. SHAH (Maharashtra): Madam, have you permitted it to go on record? It is my point of order. It is a matter concerning the State Government.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I gave my ruling. It is a matter concerning the State. We cannot take up the State matters here ... (*Interruptions*) I will look into the records.

श्री राम अवधेश सिंह : महोदया, सरकार को आप निर्देश दीजिए कि बिहार के गवर्नेंस प्रोजेक्टस के बारे में और अबोहर कार्य योजना के बारे में मैंने आप से जो निवेदन किया है, इस सदन के माध्यम से जो मैंने सरकार का ध्यान आकर्षित किया है, उस पर सरकार कुछ बात करे, बयान दे...(**व्यवधान**)

उपसभापति : आप बैठिए, हो गई आपकी बात ...(**व्यवधान**)

श्री राम अवधेश सिंह : महोदया, अगर सरकार बयान नहीं देगी और आप उन्हें निर्देश देने की कृपा नहीं करेंगी तो मैं सदन को चलने नहीं दूंगा...(**व्यवधान**)

उपसभापति : राम अवधेश जी, बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)

श्री राम अवधेश सिंह : प्रधानमंत्री यहां मौजूद हैं, वे जवाब दें। लोहा हमारा आएगा, कोयला हमारा आएगा, मेंगनीज हमारा आएगा और हमारी योजनाएं ठप्प हो जाएंगी ...(**व्यवधान**) आठवीं पंचवर्षीय योजना में बिहार के साथ जितना अन्याय हुआ है ...(**व्यवधान**)*

उपसभापति : ये जो वैल में खड़े होकर कह रहे हैं वह रिकार्ड में नहीं जाएगा ...(**व्यवधान**)

श्री राम अवधेश सिंह : महोदया,*

उपसभापति : आप बोल चुके हैं। मंत्री जी आपको जवाब देंगे। कल्पनाथ राय जी जवाब देंगे।

श्री राम अवधेश सिंह : महोदया, बिहार के साथ अन्याय हो रहा है...(**व्यवधान**)

उपसभापति : आप बेकार बोल रहे हैं, आप सदन का समय नष्ट कर रहे हैं। Please don't write anything of anybody speaks without my permission.

श्री राम अवधेश सिंह : महोदया,—*

डा० रत्नाकर पाण्डेय : महोदया, ये सदन को डिस्टर्ब कर रहे हैं...(**व्यवधान**)

*Not recorded.

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Madam, Yesterday, we had brought up the question of the release of Mr. Doraiswamy in J. & K. At that time, we were told by our hon. Home Minister that the issue should not be brought up because it was at a very delicate stage. Madam, the House has not been taken into confidence. We learn from the newspaper report, when the Parliament is in Session, that six militants are about to be released. The Home Minister has agree on the names of five. But, they are not releasing the sixth person who has killed the HMT Manager and the Vice-Chancellor of the Kashmir University. We would like to know what is the real position. You keep telling us not to ask about the State of Mr. Doraiswamy. We would like to know whether the Government has entered the final stage and whether al the six militants have been released

श्री सुरेन्द्र सिंह (हरियाणा): महोदया, मैंने भी शुक्रवार को श्री डोरेस्वामी के मुद्दे पर एक स्पेशल मैंशन दिया था उस पर चर्चा हुई थी ... (**व्यवधान**)

SHRI SURESH KALMADI: Madam, why does not the Home Minister reply? Do we have to read it in the newspapers? The Home Minister is here. He should reply. He should tell us as to at what stage the negotiations are. He should take the Parliament into confidence. We will back him fully. (*Interruptions*) Let the Home Minister react, Madam. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: You are not allowing Mrs. Jayanthi Natarajan to start her speech. She cannot speak when everybody is speaking. (*Interruptions*)

SHRI A. G. KULKARNI (Maharashtra): Madam, the issue raised by Mr. Kalmadi is very important. The Members of Parliament do not know anything unless it comes from the Government. We read it in the newspapers. The Home Minister said that he was also concerned over this. Is it possible for the Home Minister to inform us—without affecting the security aspect in relation to the release of Mr. Doraiswamy— whether any further step has been taken? This is all we are asking for.

SHRI VIREN J. SHAH: Is the Question Hour over, Madam? (*Interruptions*)

SHRI SURESH KALMADI: We are concerned over the fate of Mr. Doraiswamy, Mr. Viren Shah. Let the Home Minister react. It is an important matter.

SHRI VIREN J. SHAH: I am as much concerned over this as anybody else. (*Interruptions*)

SHRI SURESH KALMADI: The Home Minister was getting up to reply.

SHRI VIREN J. SHAH: He is not bound to reply (*Interruptions*)

SHRI A. G. KULKARNI: Mr. Home Minister, can you say something?

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ जोम अफजल (उत्त प्रदेश): होम मिनिस्टर जवाब नहीं देते, यह अफसोस की बात है ... (**व्यवधान**)

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार): अखबारों से हमें खबरें मिलती है जो रिपोर्ट आ ही है तो भी होम मिनिस्टर को उनको वेरीफाई करके सदन में बताना चाहिए ... (**व्यवधान**)

SHRI SURESH KALMADI: Madam, please direct the Home Minister.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Home Minister and the Minister of State for Home are here. The Prime Minister is also here. They have heard you. If they want, they will reply. Let Mrs. Jayanthi Natarajan start her speech now.

SHRI SURESH KALMADI: Do we have to wait till tomorrow to read it in the newspapers? (*Interruptions*).

श्री मोहम्मद अफजल ऊफ मीम अफजल: कलमाडी साहब नें जो बात कही है वह बिल्कुलसही है उसका जवाब देना चाहिए होम मिनिस्टर को ... (**व्यवधान**)

SHRI S. K. T. RAMACHANDRAN (Tamil Nadu): Whenever Mrs. Jayanthi Natarajan gets up, they are scared.

They are always trying to disturb her. (*Interruptions*)

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENTS ADDRESS

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Madam Deputy Chairman, I beg to move:

"That an Address be presented to the President in the following terms:

"That the Members of the Rajya Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the President for the Address which he has been pleased to deliver to both Houses of Parliament assembled together on the 11th July, 1991.'"

SHRI VIREN J. SHAH (Maharashtra): Why don't you read your amendments before you say something further?

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I don't have to. You read your amendments.

SHRI VIREN J SHAH: Have you not moved any amendments?

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I have not moved any amendments.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The time for moving her amendments is over. Now, it is for you to move your amendments.

SHRI VIREN J. SHAH: Do you want me to do it now?

THE DEPUTY CHAIRMAN: When your time comes.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, the President's Address began on a tragic note on the assassination of Shri Rajiv Gandhi. Therefore, I also wish to begin by referring to the senseless assassination of my beloved leader, Shri Rajiv Gandhi on the 21st May, in Tamil Nadu.

Madam, you will forgive me if I strike a personal note and say that when myself and my other colleagues entered Parliament, these sacred portals, and politics, we entered under the leadership of our charismatic leader, Shri Rajiv Gandhi, and we rejoiced in being members of his team. We shared in his dream of a modern, secular and dynamic India which would enter the Twenty-First Century, under his leadership. We all thought that Rajiv Gandhi would be here for the next hundred years to lead the country forward and that we would be sharing in his dream. (*Interruptions*) Madam, let them finish saying what they want to say.

AN. HON. MEMBER: What is this?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Never mind, you speak.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I do not want to be interrupted at a very emotional moment. It is a matter of great emotion for us. He was our leader.

SHRI S. S. AHLUWALIA: (Bihar): These people are emotionless.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: He laid down his life in the cause of democracy. I am just going to say that this is a tragic example of the way these people treated Rajiv Gandhi when he was alive. These same people who are sitting on the opposite side... (*Interruptions*). Oh,* These same people who are sitting on the opposite side... (*Interruptions*).

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): Don't use these words like* which are unparliamentary. You are totally incompetent to raise a discussion on the President's Address. (*Interruptions*). What happened in Andhra Pradesh? It was the people of your cadre, the goondas, the very people who claim Rajiv Gandhi to be their charismatic leader, they ruined the people's life. Shame. It was in a State which was ruled by your Government. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, please. I can handle the House if you keep quiet.

*Expunged as ordered by the Chair.